www.sgbauonline.com

M.A. (Part–II) Examination

HINDI

(Adhunik Kavya)

Paper–I

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(अ) विरह संग अभिसार भी,
भार जहाँ आभार भी,
मैं पिंजड़े में पड़ी हुई हूँ, किन्तु खुला है द्वार भी,
काल कठिन क्यों न हो, किन्तु है मेरे लिए उदार भी,
जहाँ विरह ने मार दिया है, किया वहाँ उपकार भी,
सुध-बुध हर ली, किन्तु दिया कला ज्ञान विचार भी ।

(आ) कौन हो तुम वसंत के दूत, विरस पतझड़ में अति सुकुमार !
घन तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार ।
नखत की आशा किरण समान हृदय की कोमल कवि की कांत-
कल्पना की लघु लहरी दिव्य कर रही मानस हलचल शांत !"

(इ) देखा राम ने — सामने श्री दुर्गा, भास्वर
वाम पद असुर-स्कन्ध पर रहा दक्षिण हरि पर;
ज्योर्तिमय रूप, हस्त दश विविध-अस्त्र-सज्जित,
मन्द स्मित मुख, लख हुई विश्व की श्री लज्जित,
है दक्षिण में लक्ष्मी, सरस्वती वाम भाग,

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

दक्षिण गणेश कार्तिक बायें रण-रंग राग,
मस्तक पर शंकर । पदपद्मों पर श्रद्धाभर
श्री राघव हुए प्रणत मन्द स्वर वन्दन कर ।

(ई) सखि, निरख नदी की धारा,
ढलमल ढलमल चंचल अंचल, झलमल झलमल तारा ।
निर्मल जल अन्तःस्तल भरके
उछल उछलकर छल छल करके
थल थल तरके, कल कल धरके
विखरता है पारा !
सखि ! निरख नदी की धारा ।

(उ) हम नदी के द्वीप हैं ।
हम नहीं कहते कि हम को छोड़कर स्रोतस्तिवनी बह जाय ।
वह हमें आकार देती है ।
हमारे कोण, गलियां, अन्तरीप, उभार, सैकत-कूल
सब गोलाइयाँ उस की गढी हैं ।
माँ है वह । है, इसी से हम बने हैं ।

(ऊ) नये गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है
यह विशाल भूखंड आज वो दमक रहा है
मेरी भी आभा है इसमें
भीनी भीनी खुशबूवाले
रंग विरंगे
यह जो इतने फूल खिले हैं
कल इनको मेरे प्राणों ने नहलाया था
कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था ।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : 2×15=30

(1) "श्रद्धा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(2) प्रयोगवादी कवि के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए ।

(3) "यथार्थवादी दृष्टिकोण ने नागार्जुन को कालजयी कवि बना दिया है ।" इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(4) 'साकेत' के नवम् सर्ग के काव्यसौष्ठव पर प्रकाश डालिए ।

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **15** से **20** पंक्तियों में लिखिए : 5×4=20

(1) श्रीधर पाठक के काव्य में चित्रित प्रकृति चित्रण की विशेषताएं लिखिए ।

(2) हरिऔध के काव्य में निहित लोकमंगल की भावना को रेखांकित कीजिए ।

(3) भ्रमरगीत परम्परा में रत्नाकर जी के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

(4) महादेवी वर्मा को वेदना की कवयित्री क्यों कहा गया ?

(5) बच्चन जी की काव्यगत विशेषताएं लिखिए ।

(6) दुष्यंत कुमार के काव्य में निहित सामाजिक चेतना का उल्लेख कीजिए ।

(7) धर्मवीर भारती की काव्यभाषा पर टिप्पणी लिखिए ।

(8) शमशेर बहादुर सिंह के काव्य में अभिव्यक्त सौन्दर्य बोध को स्पष्ट कीजिए ।

(9) गिरिजा कुमार माथुर के काव्य का क्या वैशिष्ट्य है ?

(10) जगदीश गुप्त ने अपने काव्य में आस्था और विश्वास का स्वर कैसे मुखरित किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशानुसार लिखिए : 20×1=20

(1) 'असाध्यवीणा' नामक कविता के रचनाकार ..... हैं ।

(2) धर्मवीर-भारती ने किस पत्रिका का संपादन किया था ?

(3) 'वैदेही वनवास' के लेखक हैं :

(i) हरिऔध (ii) मैथिलीशरण गुप्त (iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(4) 'जुही की कली' के रचयिता हैं :

(i) निराला (ii) पंत (iii) महादेवी वर्मा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(5) जगन्नाथदास रत्नाकर ने अपनी रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग किया है ?

(i) ब्रज (ii) अवधी (iii) मैथिली

(6) 'भारत भारती' के रचयिता हैं :

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय (ii) श्रीधर पाठक (iii) मैथिलीशरण गुप्त

(7) प्रकृति सौन्दर्य की दृष्टि से 'कश्मीर सुषमा' श्रीधर पाठक की अमर रचना है । (कथन सत्य / असत्य)

(8) जयशंकर प्रसाद के पिता का नाम क्या था ?

(9) हिन्दी साहित्य में अज्ञेय कौन-सी धारा के प्रवर्तक माने जाते हैं ?

(10) नागार्जुन का वास्तविक नाम ..... था ।

(i) दीनानाथ वैद्य (ii) वैद्यनाथ मिश्र (iii) रमानाथ दुबे

(11) 'बाबरा अहेरी' कविता के रचयिता हैं :

(i) जगदीश गुप्त (ii) धर्मवीर भारती (iii) अज्ञेय

(12) 'मनु तुम श्रद्धा को भूल गये' - किसका कथन है ?

(13) 'काल तुझसे होड है मेरी' इसके रचनाकार कौन हैं ?

(14) 'अकाल और उसके बाद' के रचयिता का नाम क्या है ?

(15) महादेवी वर्मा ने 'चाँद' पत्रिका का सम्पादन किया था । (कथन सत्य / असत्य)

(16) 'निशा निमंत्रण' के रचनाकार हैं :

(i) बच्चन (ii) निराला (iii) प्रसाद

(17) इनमें से कौनसी डॉ. जगदीश गुप्त की रचना नहीं है :

(i) शम्बूक (ii) बिम्बिन्दु (iii) कनुप्रिया

(18) 'तुम्हारी पाती मिली अबोध' - पंक्ति के रचनाकार हैं :

(i) डॉ. धर्मवीर भारती (ii) नागार्जुन (iii) निराला

(19) 'अज्ञेय' का पूरा नाम क्या है ?

(20) 'धूप के धान' के रचनकार हैं :

(i) जगन्नाथदास रत्नाकर (ii) गिरिजाकुमार माथुर (iii) शमशेर बहादुर सिंह

www.sgbauonline.com